Cambridge invite for CIMPian

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), the premier B-school of the state, gets yet another feather in its cap as the research paper by Rajeev Ranjan has been accepted for presentation at the 23rd International Conference on Multidisciplinary Studies scheduled to be held at University of Cambridge (UK) during 30-31 July, 2020.

Rajeev Ranjan is a senior management professional and the head of administration at CIMP. The paper by Ranjan entitled Changing Health-related Behaviour Leveraging Data Analytics explores the potential of Data Analytics in Changing Health-related Behaviour (CHB) of the people.

The paper cites the "3-4-50 Concept" which says that 3 behaviours (poor diet, little to no physical activity and smoking) alone lead to 4 types of diseases (heart disease/stroke, diabetes, cancer, pulmonary disease) that in turn account for 50% of the deaths worldwide. It is for this reason that in public health interventions, emphasis has been on "changing behaviours" or early interventions so that the negative or harmful consequences that follow such health compromising or risky behaviours get minimized. The paper advocates that Data Analytics has the potential to harness diagnostic information which also includes individual behavioural patterns in the healthcare industry; generated through clinical examination, diagnostics and medical or surgical interventions; and not only to obviate morbidity to a great extent, but also bring down the expenses on therapeutic and/or clinical diagnosis, intervention and management and save lives.

CIMP Director Dr V. Mukunda Das, speaking over phone, has expressed his delight and congratulated Rajeev Ranjan on this feat. He thanked Chief Minister Nitish Kumar; who also happens to be the Chairman of the Board of Governors of the institute; for envisioning and setting up this institute due to which it has been possible to create an ambience for research. Chief Liaison Consultant, Kumod Kumar, said that this is a historic moment for the institute as for the first time in the history of the institute, anyone from CIMP has got this opportunity at University of Cambridge.

Rajeev Ranjan is a senior management professional and the head of administration at CIMP. The paper by Ranjan entitled Changing Health-related Behaviour Leveraging Data Analytics explores the potential of Data Analytics in Changing Health-related Behaviour (CHB) of the people

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:30-06-2020

सीआईएमपी के राजीव को कैम्ब्रिज से आया आमंत्रण

patna@inext.co.in

PATNA (29 June): सीआईएमपी पटना के लिए एक और उपलब्धि मिली है. 30-31 जुलाई, 2020 को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में होने वाले 23वें इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ मल्टीडिसिप्लनरी स्टडी में संस्थान के राजीव रंजन पार्टिसिपेट करेंगे. वे यहां अपना रिसर्च पेपर प्रेजेंट करेंगे. राजीव रंजन मैनेजमेंट प्रोफेशनल हैं और सीआईएमपी में प्रशासी प्रमुख हैं. रंजन के शोध पत्र का शीर्षक डेटा एनालिटिक्स के उपयोग द्वारा स्वास्थ्य संबंधित व्यवहार बदलना है. उनकी इस सफलता पर संस्थान के निदेशक प्रो. वी मुकुंद दास ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है.

I-Next ! Page.No-05 !D-30-06-2020

राजीव रंजन कैंब्रिज में देंगे व्याख्यान

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना, सीआइएमपी के राजीव रंजन कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में व्याख्यान देंगे। वह कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में 30-31 जुलाई को आयोजित होने वाले 23वें अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक अध्ययन सम्मेलन में वह अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे। राजीव रंजन सीनियर मैनेजमेंट प्रोफेशनल हैं और सीआइएमपी के प्रशासी प्रमुख हैं। उनका शोध-पत्र डेटा एनालिटिक्स के उपयोग द्वारा स्वास्थ्य-संबंधित व्यवहार बदलना बताता है कि लोगों के स्वास्थ्य-संबंधित व्यवहार को डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके कैसे बदला जा सकता है। यह शोध-पत्र 3-4-50 अवधारणा का हवाला देते हुए बताता है कि सिर्फ तीन प्रकार के व्यवहार अनुचित आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी एवं धूम्रपान ही अकेले चार प्रकार की बीमारियों जिसमें हृदय-रोग, स्ट्रोक, मधुमेह, कैंसर एवं फेफड़े के रोग को जन्म देते हैं जो कि विश्व के 50 प्रतिशत मौतों के कारक होते हैं। यही कारण है कि लोक स्वास्थ्य-संबंधित कार्यों में व्यवहार बदलने या शुरूआती हस्तक्षेप पर बल दिया जाता है ताकि स्वास्थ्य से समझौता करने वाले या जोखिम वाले व्यवहारों के नाकारात्मक या हानिकारक परिणामों को कम से कम किया जा सके। शोध-पत्र बताता है कि डेटा एनालिटिक्स में नैदानिक या डायग्नोस्टिक जानकारियां जो कि क्लिनिकल परीक्षण या डायग्नोस्टिक्स या चिकित्सीय या शल्य-चिकित्सीय उपायों के द्वारा उत्पन्न होती है। निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए राजीव रंज़न को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

AAJ ! Page.NO-08 ! Dated:30-06-2020

सीआईएमपी के राजीव रंजन को कैम्ब्रिज विवि से आमंत्रण

पटना| चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के राजीव रंजन का शोधपत्र ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विवि में 30-31 जुलाई को आयोजित 23वें अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक अध्ययन सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकार किया गया है। राजीव रंजन सीनियर मैनेजमेंट प्रोफेशनल हैं और सीआईएमपी के प्रशासी प्रमुख हैं। उनका शोध-पत्र, "डेटा एनालिटिक्स के उपयोग द्वारा स्वास्थ्य-सम्बन्धित व्यवहार बदलना" बताता है कि लोगों के स्वास्थ्य-सम्बन्धित व्यवहार को डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर के कैसे बदला जा सकता है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-02 ! D-30-6-2020

कैम्ब्रिज जायेंगे रंजन

पटना। सीआईएमपी के प्रशासी प्रमुख राजीव रंजन को कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक अध्ययन सम्मेलन में शोध प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रण मिला है। उनके शोध पत्र डाटा एनालिटिक्स के उपयोग द्वारा स्वास्थ संबंधित व्यवहार बदलना है का चयन 30 व 31 जुलाई को आयोजित सेमिनार में किया गया है। उनके शोध पत्र के मुताबिक सिर्फ तीन प्रकार के व्यवहार अनुचित आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी और धूम्रपान ही अकेले चार प्रकार की बीमारियों जैसे ह्रदय रोग, मधुमेह, कैंसर एवं फेफड़े के रोगों को जन्म देते हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. वी मुकुंदा दास ने राजीव रंजन को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी है।

Hindustan ! Page.NO-02!
Dated-30-06-2020

कैंब्रिज में व्याख्यान देंगे प्रो राजीव रंजन

पटना .चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के राजीव रंजन कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में

व्याख्यान देंगे. वह कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में 30-31 जुलाई को आयोजित होने वाले 23वें अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक अध्ययन सम्मेलन में वह अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे. राजीव रंजन सीनियर मैनेजमेंट प्रोफेशनल हैं और सीआइएमपी के प्रशासी प्रमुख हैं. उनका शोध-पत्र 'डेटा एनालिटिक्स के उपयोग द्वारा स्वास्थ्य-संबंधित व्यवहार बदलना' है.

Prabhat Khabar !
Page.No-06 !
Dated:30-06-2020

3 राष्ट्रीय सहारा

संक्षिप्त खबरें

राजीव रंजन ब्रिटेन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित

पटना। सीआईएमपी के प्रशासी प्रमुख राजीव रंजन को ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में 30-31 जुलाई को 23वें अन्तर्राष्ट्रीय बहुविषयक अध्ययन सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुन्द दास ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए राजीव रंजन को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी।

Rashtriya Sahara !
Page.no-03 !
D-30-06-2020